

सतनामी वदिरोह

परीलम्स के लयि:

सतनामी कौन थे?

मेन्स के लयि:

वदिरोह क्योँ हुआ था, इसके परणाम और महत्त्व

संदर्भ

1672 ई. में कसानों और मुगलों के बीच मथुरा के नकिट नारनौल नामक स्थान पर एक युद्ध हुआ जिसका नेतृत्व सतनामी नामक एक धार्मिक संप्रदाय ने किया था।

कौन थे सतनामी?

- सतनामी संप्रदाय की स्थापना "बीरभान" नामक एक संत ने नारनौल में 1657 में की थी।
- सतनामी अधिकतर कसान, दस्तकार तथा नीची जातिके लोग थे।
- सत्य एवं ईश्वर में विश्वास रखने के कारण वे अपने को सतनामी पुकारते थे।
- सतनामियों को एकेश्वरवादी संप्रदाय कहा गया है।
- इनके धार्मिक ग्रंथ को पोथी कहा जाता था।
- सतनामी अपने संपूर्ण शरीर के बालों को मूँड़कर रखते थे। इसी कारण उन्हें मुंडिया भी कहा जाता था।

वदिरोह के कारण

- सतनामी वदिरोह की शुरुआत एक सतनामी और मुगल सैनिकि अधिकारी के बीच झगड़े को लेकर हुई।
- वदिरोह तब भड़क उठा जब मुगल सैनिकि ने सतनामी को मार डाला।
- सतनामियों ने भी बदला लेने के लिये सैनिकि को मार डाला तथा बदले में और मुगल सैनिकों को भेजा गया।
- इस वदिरोह को तब कुचला जा सका जब औरंगजेब ने वदिरोह की कमान संभाली और सतनामियों को कुचलने के लिये तोपखाने के साथ 10,000 सैनिकों को भेजा।
- वदिरोह को दबाने में स्थानीय हनिदू ज़मींदारों (जनिमें अधिकतर राजपूत थे) ने मुगलों का साथ दिया था।

स्रोत: डाउन टू अर्थ